लिंग भैरवी

देवी को घर लाएं

शक्तिशाली यंत्र सेवा से अपने जीवन को ऊर्जावान बनाएं

लिंग भैरवी, परम तत्व की स्त्री-प्रकृति की उच्चतम अभिव्यक्ति हैं, जिसे सद्‌गुरु ने जीवन ऊर्जा से 'प्राण-प्रतिष्ठित' किया है, जो एक पत्थर को देवता बना देने वाली दुर्लभ प्रक्रिया है। देवी, एक ही साथ रौद्र भी हैं और करुणामयी भी, और वे शारीरिक, आर्थिक, और सबसे बढ़कर आध्यात्मिक आयामों में अपने भक्तों की मदद करती हैं। देवी की ऊर्जाओं के प्रति ग्रहणशील होने का सबसे अच्छा तरीका है, गहरी भक्ति और समर्पण की भावना से उनसे जुड़ना।

जो भक्त देवी को घर लाकर अपने रहने के स्थान को प्राण-प्रतिष्ठित करना चाहते हैं, उनके लिए सद्‌गुरु शक्तिशाली यंत्र सेवा भेंट करते हैं। यंत्र सेवा से आप देवी भैरवी की कृपा का अनुभव एक जीवंत उपस्थिति और एक आजीवन साथी के रूप में कर सकते हैं। देवी की कृपा से आप अपने घर या ऑफिस को एक प्राण-प्रतिष्ठित स्थान में बदल सकते हैं।

'सद्‌गुरु के साथ यंत्र समारोह' एक अंतरंग व्यक्तिगत कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने वालों को एक यंत्र प्राप्त करने का दुर्लभ अवसर मिलता है। उस यंत्र को सद्‌गुरु विशेष रूप से उन लोगों के लिए प्राण-प्रतिष्ठित करते हैं, जिन्हें वह यंत्र प्राप्त होगा। साथ ही, सद्‌गुरु उन्हें यंत्र सेवा भी प्रदान करते हैं।

सद्‌गुरु ने दो यंत्र सेवा मॉड्यूल तैयार किए हैं – भैरवी यंत्र सेवा और अविघ्न यंत्र सेवा

भैरवी यंत्र सेवा

अविवाहित या विवाहित जोड़ों को सद्गुरु द्वारा शक्तिशाली भैरवी यंत्र सेवा में दीक्षित किया जाता है। इस यंत्र सेवा की मदद से जीवन में स्वाभाविक रूप से शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक खुशहाली के साथ-साथ सेहत, सफलता और समृद्धि भी आती है।

2500 वर्ग फीट तक के एरिया वाले घरों में रहने वाले लोगों के लिए यह यंत्र सबसे अच्छा है।

कार्यक्रम शुल्क: 4,93,000 रूपए

* आपको यंत्र अलग से खरीदना होगा।

भैरवी यंत्र का वजन 30 किलो है, और माप 19” x 15” x 5” है।

"देवी यंत्र ने मुझे अनगिनत तरीकों से प्रभावित किया है। अब मेरे लिए देवी सिर्फ कोई अवधारणा, फिलॉसफी, विचार या विश्वास प्रणाली नहीं हैं — वे एक जीवंत अनुभव हैं। मेरा शरीर, मन, भावनाएँ और ऊर्जा आज जिस अवस्था में हैं, वह देवी की कृपा से ही संभव हुआ है।"

— फोर्ड पालेज़, फिलीपींस

अविघ्न यंत्र सेवा

"अविघ्न" यानि "रुकावटों को दूर करने वाला"। अविवाहित लोगों, विवाहित जोड़ों या बिज़नेस पार्टनर्स (एक ही लिंग के) को सद्‌गुरु द्वारा शक्तिशाली अविघ्न यंत्र सेवा में दीक्षित किया जाता है। यह यंत्र सेवा, आपके काम-काज को देवी की कृपा से लुब्रिकेट करने में मदद करती है, ताकि आप अपने बिज़नेस और व्यक्तिगत या आध्यात्मिक जीवन को उसकी पूरी क्षमता तक विकसित कर सकें।

यह यंत्र उन लोगों के लिए सबसे अच्छा है जो 2500 वर्ग फीट से बड़े घरों में रहते हैं, या फिर जिनका बिज़नेस है।

(2500 वर्ग फुट से कम एरिया के घरों में रहने वाले भी इसमें शामिल हो सकते हैं।)

कार्यक्रम शुल्क: 7,39,000 रूपए

* आपको यंत्र अलग से खरीदना होगा।

अविघ्न यंत्र का वजन 150 किलोग्राम है और माप 36 ”x 30” x 8 ” है।

“अब कठिन परिस्थितियों में भी चीजें खूबसूरती से बदल जाती हैं।

देवी शांति और खुशी की एक अमूल्य भावना अपने साथ लाई हैं।

हमारे घर आने वाले बाहरी लोग भी उनकी मौजूदगी को महसूस करते हैं।

कल्पना मनियार, हेड, बिज़नेस सॉल्यूशंस एंड आईटी, एडलवाइस कैपिटल लिमिटेड, मुंबई

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

भैरवी यंत्र सेवा के लिए कौन रजिस्टर कर सकता है?

- अविवाहित व्यक्ति या फिर विवाहित जोड़े भैरवी यंत्र सेवा के लिए रजिस्टर कर सकते हैं। एक विवाहित जोड़ा, यंत्र समारोह में एक साथ भाग ले सकता है।
- अगर कोई अकेला व्यक्ति इस कार्यक्रम में शामिल होने के बाद शादी करता है, तो उसका जीवनसाथी भी शादी के 3 महीने बाद दैनिक (यंत्र समारोह के दौरान सिखाई गई) हथेलियों की प्रक्रिया या पॉम प्रोसेस कर सकता है। मार्गदर्शन के लिए, उन्हें यंत्र समारोह टीम से संपर्क करना होगा।
- एक विवाहित जोड़े के मामले में, हम हमेशा यह सलाह देते हैं कि पति और पत्नी दोनों यंत्र समारोह में शामिल हों। हालांकि, अगर यह संभव नहीं है, तो उनमें से एक व्यक्ति शामिल हो सकता है।
- एक विधवा माता या पिता (70 वर्ष से अधिक आयु) अपने बेटे या बेटी के साथ समारोह में शामिल हो सकता है, अगर बेटा या बेटी अविवाहित हों तो। हालाँकि, अगर भविष्य में बेटे या बेटी की शादी होने की संभावना है, तो उनके लिए अकेले शामिल होना सबसे अच्छा होगा, ताकि शादी के बाद उनका जीवनसाथी दैनिक प्रक्रिया कर सके।
- जिन दो लोगों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया है, केवल वे दो प्रतिभागी ही दैनिक (यंत्र समारोह के दौरान सिखाई गई) हथेली की प्रक्रिया या पॉम प्रोसेस कर सकते हैं, या यंत्र को छू सकते हैं। हालाँकि, घर के दूसरे सदस्य या मेहमान भी देवी की कृपा का लाभ उठा सकते हैं। वे देवी को प्रसाद चढ़ा सकते हैं, और यंत्र के कमरे में अचल अर्पणम् और दूसरे अभ्यास कर सकते हैं।

अविघ्न यंत्र सेवा के लिए कौन रजिस्टर कर सकता है?

- अविघ्न यंत्र सेवा के लिए एक अकेला व्यक्ति, एक विवाहित जोड़ा या (एक ही लिंग के) कोई भी दो व्यावसायिक भागीदार या बिज़नेस पार्टनर रजिस्टर कर सकते हैं, और एक साथ यंत्र समारोह में भाग ले सकते हैं। अगर व्यावसायिक भागीदार अलग-अलग लिंग के हैं, तो उनमें से केवल एक ही भाग ले सकता है और यह प्रक्रिया कर सकता है। हालांकि, देवी की उपस्थिति से सभी व्यावसायिक साझेदारों को लाभ होगा।

- बिज़नेस के मामले में, एक ही लिंग के किन्हीं दो भागीदारों को यंत्र सेवा में दीक्षित किया जा सकता है। यंत्र समारोह में दोनों भागीदारों को हिस्सा लेना होगा।

- देवी की उपस्थिति से सभी व्यापारिक साझेदार फायदा ले सकते हैं, लेकिन जिन दो भागीदारों को यंत्र सेवा में दीक्षित किया गया, सिर्फ वे दो व्यक्ति ही दैनिक हथेलियों की साधना की प्रक्रिया (जो समारोह के दौरान सिखाई गई है) कर सकते हैं, और शारीरिक रूप से यंत्र को छू सकते हैं।

- विवाहित जोड़ों के लिए, हम हमेशा यह सलाह देते हैं कि वे दोनों यंत्र समारोह में शामिल हों। हालांकि, अगर यह संभव नहीं है, तो एक व्यक्ति भाग ले सकता है।

- एक विधवा माता या पिता (70 वर्ष से अधिक आयु) अपने बेटे या बेटी के साथ समारोह में शामिल हो सकता है, अगर बेटा या बेटी अविवाहित हों तो। हालाँकि, अगर भविष्य में बेटे या बेटी की शादी होने की संभावना है, तो उनके लिए अकेले हिस्सा लेना सबसे अच्छा है, ताकि शादी के बाद उनका जीवनसाथी दैनिक प्रक्रिया कर सके।

- जिन दो लोगों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया है, केवल वे दो प्रतिभागी ही दैनिक (यंत्र समारोह के दौरान सिखाई गई) हथेली की प्रक्रिया या पॉम प्रोसेस कर सकते हैं, या यंत्र को छू सकते हैं। हालाँकि, दूसरे सभी लोग देवी की कृपा का लाभ उठा सकते हैं। वे देवी को प्रसाद चढ़ा सकते हैं, और यंत्र के कमरे में अचल अर्पणम् और दूसरे अभ्यास भी कर सकते हैं।

यंत्र का कमरा कैसा होना चाहिए?

एक अलग कमरा, यंत्र या देवी के लिए समर्पित कर देना सबसे अच्छा है।

अगर स्थान की कमी है, तो आप अपने रहने वाले कमरे या शयनकक्ष (बेडरूम) में देवी स्थान बना सकते हैं, बशर्ते देवी स्थान के 10 फीट के भीतर किसी भी तरह का खाना, पीना या सोना न हो।

अगर कोई इन शर्तों को पूरा नहीं कर सकता है, तो आप एक छोटा देवी मंदिर बना सकते हैं, जैसे कि एक बॉक्स। आप दैनिक प्रक्रिया करते समय या दूसरे समय पर उस बॉक्स को खुला रख सकते हैं। उसके 10 फीट के दायरे में खाते, पीते या सोते समय आपको इस बॉक्स को बंद रखना चाहिए। यह बॉक्स लकड़ी या धातु से बनाया जा सकता है। सिंथेटिक सामग्री का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए।

आप कमरे को पर्दे या स्क्रीन से भी दो स्थानों में बांट सकते हैं। हर दिन कुछ घंटों के लिए उस बॉक्स या पर्दे को खुला रखना फायदेमंद होगा, खासकर यंत्र सेवा करते समय। यंत्र के स्थान के 10 फीट के दायरे में खाते, पीते या सोते समय इसे बंद कर देना चाहिए।

यह महत्वपूर्ण है कि इस स्थान के वातावरण में स्वच्छता और पवित्रता बनी रहे।

आप चाहें तो इस स्थान में लिंग भैरवी गुडी, सद्‌गुरु सन्निधि और ध्यानलिंग भी रख सकते हैं, आप दूसरे कोई भी देवता वहाँ रख सकते हैं, जो आपके पास हों।

आप किसी भी दिशा में यंत्र स्थापित कर सकते हैं, पर आपको यह पक्का करना होगा कि यंत्र पर सीधी धूप न पड़े।

दैनिक प्रक्रिया या यंत्र सेवा क्या है?

जब आप यंत्र समारोह में शामिल होंगे, तब आपको सद्‌गुरु द्वारा एक शक्तिशाली और पवित्र प्रक्रिया में दीक्षित किया जाएगा। यह 11 मिनट की प्रक्रिया, दोनों प्रतिभागियों को प्रतिदिन अलग-अलग करनी होगी, अगर आप दोनों में से कोई यंत्र से दूर न हो तो।

इसके अलावा, यह सलाह दी जाती है कि आप हर दिन अपने देवी स्थान में कम से कम 20 मिनट बिताएं।

आप दिन या रात के किसी भी समय दैनिक प्रक्रिया कर सकते हैं। इस प्रक्रिया को करने के लिए आपको खाली पेट रहने की जरूरत नहीं है। फिर भी, अगर आप हल्के पेट की स्थिति बनाए रखते हैं तो यह सबसे अच्छा है।

पूर्णिमा अर्पण या भेंट क्या हैं?

हर पूर्णिमा पर, आपको अपनी 11 मिनट की दैनिक प्रक्रिया से पहले या बाद में, एक नारियल या पका हुआ नींबू देवी को अर्पित करना चाहिए।

आप चाहें तो यह प्रसाद अमावस्या के दिन भी अर्पित किया जा सकता है। यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए फायदेमंद होगा जो भय, हानि या शोक की भावना का अनुभव कर रहे हैं।

इसके अलावा, आप महीने के किसी भी दिन देवी को यह या कोई दूसरा प्रसाद चढ़ा सकते हैं। कुछ पारंपरिक भेंटों में मिठाई, फूल, दीपम् (घी का दीपक), पान के पत्ते, सुपारी, चावल और तिल शामिल हैं।

अगर मैं अपने मासिक धर्म के चक्र (पीरियड्स) से गुज़र रही हूँ, तो क्या मैं दैनिक प्रक्रिया कर सकती हूँ?

हां, ऐसे कोई नियम नहीं हैं।

क्या मैं अपने देवी स्थान में दूसरे योगाभ्यास कर सकता हूँ?

हां। शक्तिशाली देवी स्थान में अभ्यास करना आपके और दूसरे लोगों के लिए फायदेमंद है।

क्या हमें यंत्र सेवा रोज़ करनी ज़रूरी है?

हाँ, आपको यंत्र सेवा हर रोज़ ज़रूर करनी चाहिए। अगर एक व्यक्ति दूर है, तो दूसरे व्यक्ति को दैनिक प्रक्रिया करते रहना चाहिए। दैनिक हथेलियों की प्रक्रिया (पॉम प्रोसेस) केवल वे दो प्रतिभागी ही कर सकते हैं। दूसरे लोग प्रतिदिन दीप जला सकते हैं, और जब आप घर पर न हों, तो वे देवी को प्रसाद चढ़ा सकते हैं।

हालांकि, यह महत्वपूर्ण है कि दैनिक प्रक्रिया करने वाले लोगों के अलावा, यंत्र को कोई भी दूसरा व्यक्ति न छुए।

अगर मैं अपना घर छोड़कर किसी दूसरी जगह रहने जाने वाला हूँ, तो मुझे यंत्र स्थान कैसे तैयार करना चाहिए?

किसी नई जगह पर यंत्र का स्थान सिर्फ तभी बनाएं, जब ऐसा करना बिल्कुल ज़रूरी हो। अपने नये घर या कार्यालय में यंत्र सेवा स्थान बनाने से पहले, कृपया उस स्थान की जगह तय कर लें। किसी भी दूसरे कारण से उस स्थान को न बदलें।

हमारे गुज़र जाने के बाद क्या होगा?

यंत्र सेवा, पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाई जा सकती है। दीक्षित व्यक्ति या जोड़े के निधन के बाद ही, यह यंत्र सेवा अगली पीढ़ी को दी जा सकती है। यंत्र सेवा को अपने परिवार को देने के लिए, आपको अपने बच्चों या भाई-बहनों में से किसी एक को चुनना होगा। आपके गुज़र जाने पर, आपके बेटे या बेटी या भाई-बहन को आगे के निर्देशों के लिए यंत्र समारोह टीम से संपर्क करना होगा। जब तक उन्हें ये निर्देश प्राप्त नहीं हो जाते, तब तक उन्हें प्रक्रिया नहीं करनी चाहिए और न ही यंत्र के तांबे वाले हिस्से को छूना चाहिए। उन्हें आपके लिए कालभैरव कर्म करने की व्यवस्था भी करनी होगी। अगर आपके बच्चे या भाई-बहन नहीं हैं, या अगर आपके बच्चे या भाई-बहन इस यंत्र सेवा को प्राप्त नहीं करना चाहते हैं, तो कृपया यंत्र समारोह टीम से संपर्क करें:

+91 84484 47708 | yantra.ceremony@lingabhairavi.org

माँ को भक्ति में खोजें
ये करुणा का सागर हैं
इन्हें निराशा में बुलाएं
ये एक वफादार साथी हैं
इन्हें सच्चे जुनून में खोजें
आपको इनसे बेहद प्यार मिलेगा
इन्हें अपनी दुविधा में पुकारें
आपको ये कामयाबी की ओर ले जाएंगी
जय भैरवी देवी

प्यार और आशीर्वाद

सद्‌गुरु